# आईडीएसए ने 2 दशकों की यात्रा का उत्सव मनाया सदस्य कंपनियों के प्रत्यक्ष विक्रेताओं को किया सम्मानित

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** 2 दशकों की एक सफल यात्रा का उत्सव मनाते हुए, इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन आईडीएसए) ने शुक्रवार 21 अक्टूबर 2016 को, नई दिल्ली में एक समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण भारत के सीईओ, श्री पवन कुमार अग्रवाल ने सम्मानित विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। महासचिव, अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ, प्रवीण खंडेलवाल और प्रसिद्ध उपभोक्ता नीति विशेषज्ञ, बिजॉन मिश्रा अन्य प्रख्यात गणमान्य ने समारोह में भाग लिया। 1996 में अपनी स्थापना के बाद से, आईडीएसए उल्लेखनीय रूप से देश में प्रत्यक्ष बिक्री एक स्वयं विनियमित, स्वायत्त निकाय के रूप में विकसित हुआ है।

इन 20 वर्षों में, आईडीएसए ने देश में प्रत्यक्ष बिक्री के लिए एक जगह बनाने की कोशिश की है और उद्योग में एक वातावरण पैदा करने में सफलतापूर्वक कामयाब हुआ है। दो दशकों के उत्सव को चिह्नित करने के लिए, आईडीएसए अपनी सदस्य कंपनियों के प्रत्यक्ष विक्रेताओं को सम्मानित किया, प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग के लिए उनकी कड़ी मेहनत से काम और योगदान को मान्यता दी। श्री पवन कुमार अग्रवाल ने 2 दशकों की अपनी सफल यात्रा पूरा करने के लिए आईडीएसए को बधाई दी ।

आईडीएसए की सफलता का जश्न मनाते हुए, महासचिव, आईडीएसए, अमित चड्ढा ने कहा, ''1996 में केवल कुछ सदस्यों से शुरूआत करने वाले एक संघ आईडीएसए, ने अपनी सदस्यता के आधार में उल्लेखनीय वृद्धि की है। जो आईडीएसए के लिए यह तथ्य स्थापित करता है कि यह उन आवाजों और चिंताओं को उठाने का एक मंच है जो न केवल सदस्यों को लाभान्वित करता है, बदले में बड़े पैमाने पर उद्योग को भी लाभान्वित करता है।

फैसिलिटेटर की भूमिका निभाकर, आईडीएसए अपने सदस्यों को उद्योग में योगदान करने और अपने स्वयं के व्यवसाय के प्रदर्शन में सुधार लाने में सहायता भी प्रदान करता है।'' प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग, विशेष रूप से महिलाओं के कौशल के अर्थपूर्ण ढंग से विकास और एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने के द्वारा, इस लक्ष्य में एक बड़े पैमाने पर योगदान दे कर, पूरी तरह से प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी के दर्शन की दिशा में चल रहा है,'' श्री चड्ढा ने आगे कहा। ''समारोहों के बीच, हमें उन सब चीजों पर भी गौर करना होगा जिन्हें हम पिछले 2 दशकों में हासिल करने में सक्षम रहे हैं। उनका एक नोट बनाना हमें एक अधिक बड़े लक्ष्य तक पहुंचने में भी सक्षम बनाएगा। हम 2019-20 तक लगभग 90 लाख लोगों को व्यापार के अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं। जबकि महिलायें उद्योग का मजबूत आधार स्तम्भ बनी रहेंगी, देश के अधिक से अधिक पुरुषों को व्यापार के अवसर प्रदान करने पर भी हमारा ध्यान रहेगा। यह आईडीएसए और उद्योग के शेयरधारकों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास के माध्यम से संभव हो सकता है, श्री चड्ढा ने आगे कहा।

प्रत्यक्ष बिक्री दिशानिर्देश 2016 को जारी करने पर, श्री चड्ढा ने कहा, ''हम भारत सरकार, के उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आभारी हैं, कि उसने इन दिशानिर्देशों को जारी किया है, जो वैध प्रत्यक्ष बिक्री को धोखाधड़ी करने वाले तत्वों से अलग करता है। ये दिशानिर्देश उपभोक्ताओं के हितों की भी रक्षा करेंगे, जो प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग के लिए भी एक सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ - साथ, ये दिशानिर्देश उद्योग की चिंताओं को भी दूर करेंगे और जरूरी प्रोत्साहन भी प्रदान करेंगे। आईडीएसए के अध्यक्ष जितेंद्र जगोटा ने कहा, ''देश में आईडीएसए को 20 वर्ष पूरा करते हुए देखना बहुत खुशी की बात है। यह बहुत ही खास लगता है कि प्रत्यक्ष बिक्री के निमित्त काम करने में संघ ने इन 20 वर्षों में एक अथक प्रयास किया है। ''प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग में 2019-20 तक 15,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की विशाल क्षमता है।

उद्योग अपने कार्य-बल के कौशल में योगदान के अलावा, लाखों भारतीय लोगों को स्व-रोजगार के अवसर भी प्रदान करता है। इन पिछले 20 वर्षों में प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव बहुत विशाल हो गया है। प्रत्यक्ष बिक्री के सबसे अच्छे योगदानों में से एक महिलाओं का सशक्तिकरण है; देश की लाखों महिलाओं के जीवन में एक वरदान। यह महिलाओं को अपने समय का प्रबंधन करने और अपने काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए लचीलापन देते हुए, महिलाओं को अपने खुद के समय पर स्व-रोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने का अवसर प्रदान करता है,'' श्री जगोटा ने आगे उद्धृत किया।

विवेक कटोच, वाइस चेयरमैन, आईडीएसए, ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए प्रत्यक्ष बिक्री दिशानिर्देश जारी करने के लिए सरकार का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने यह भी कहा कि उपभोक्ताओं के साथ-साथ उद्योग के हितों में दिशा निर्देशों की कुछ धाराओं में आगे स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। ''हमने दिशा निर्देशों के कुछ खण्डों में अपेक्षित आवश्यक स्पष्टीकरण के प्रति अपनी सिफारिशों को प्रस्तुत किया था। उपभोक्ता मामले के विभाग, ने हमारी सिफारिशों का संज्ञान लेने के बाद, उक्तखण्डों पर स्पष्टीकरण का एक नोट लगाया है। यह न केवल उपभोक्ताओं के लिए अधिक उपयोगी होगा, बल्कि इससे वैध प्रत्यक्ष बिक्री कंपनियों की स्थिति भी मजबूत होगी,'' श्री कटोच ने कहा। अपनी समापन टिप्पणी में, विवेक कटोच ने, पर्व के आयोजन को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों, प्रख्यात अतिथियों, मीडिया और उद्योग जगत की हस्तियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने आईडीएसए की टीम का एक विशेष जिक्र किया, जिसने आयोजन को सम्पन्न करने में नजरिये और कड़ी मेहनत दोनों के द्वारा योगदान किया। ''मैं कार्यकारी समिति के अपने सहयोगियों सहित आईडीएसए की पूरी टीम की सराहना और धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने 2 दशक समारोह के आयोजन के चित्र को पूरा करने की कड़ियों को एक साथ जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह ऐसे कई समारोहों की सिर्फ एक शुरुआत भर है जिन्हें इस शानदार उद्योग जिसे डायरेक्ट सेलिंग कहा जाता है के साथ अपनी यात्रा में हम आगे देखेंगे''।